



0117CH04



## 4. पकौड़ी

दौड़ी-दौड़ी  
आई पकौड़ी।

छुन-छुन छुन-छुन  
तेल में नाची,  
प्लेट में आ  
शरमाई पकौड़ी।

दौड़ी-दौड़ी  
आई पकौड़ी।



हाथ से उछली  
मुँह में पहुँची,  
पेट में जा  
घबराई पकौड़ी।

दौड़ी-दौड़ी  
आई पकौड़ी।

मेरे मन को  
भाई पकौड़ी।





क्या भाता है? क्या नहीं भाता?



ह

ड

औ

भ

ज

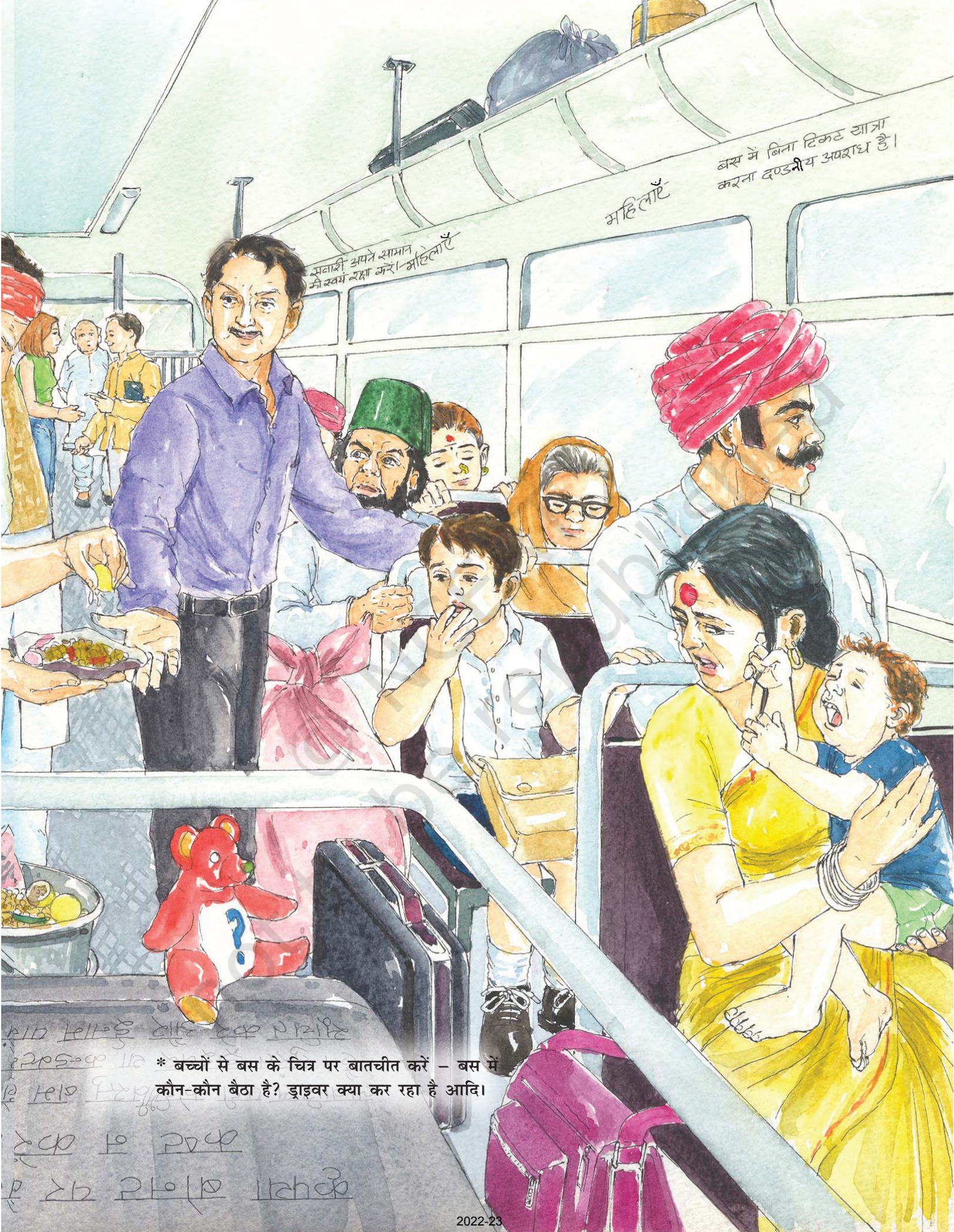
| चीजें                                                                                           | मजे से खाएँगे | खाना पड़ेगा | बिल्कुल नहीं खाएँगे |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------|-------------|---------------------|
| जलेबी          |               |             |                     |
| पकौड़ी         |               |             |                     |
| बैंगन         |               |             |                     |
| चुस्की       |               |             |                     |
| करेला        |               |             |                     |
| घीया (लौकी)  |               |             |                     |
| आलू          |               |             |                     |
| आम           |               |             |                     |

बच्चों से उनकी पसंद-नापसंद की चीजों के बारे में बातचीत करें और उसके अनुसार उचित खाने में सही का निशान लगाने को कहें।













क्या सुना?



ग

ट

य

खाली जगह में आवाज़ें लिखो।

भोंपू



.....

सीटी



.....

बस



.....

रोता हुआ बच्चा



.....

तुम्हें जो सवारी सबसे अच्छी लगती है, उसका चित्र बनाओ।





१ पहिया, २ पहिए  
बोलो किसके कितने पहिए?



ठेला

.....

ट्रक

.....

ताँगा

.....

बस

.....

स्कूटर

.....

रिक्शा

.....

बैलगाड़ी

.....

कार

.....

साइकिल

.....

ऑटो रिक्शा

.....

पानी का जहाज़

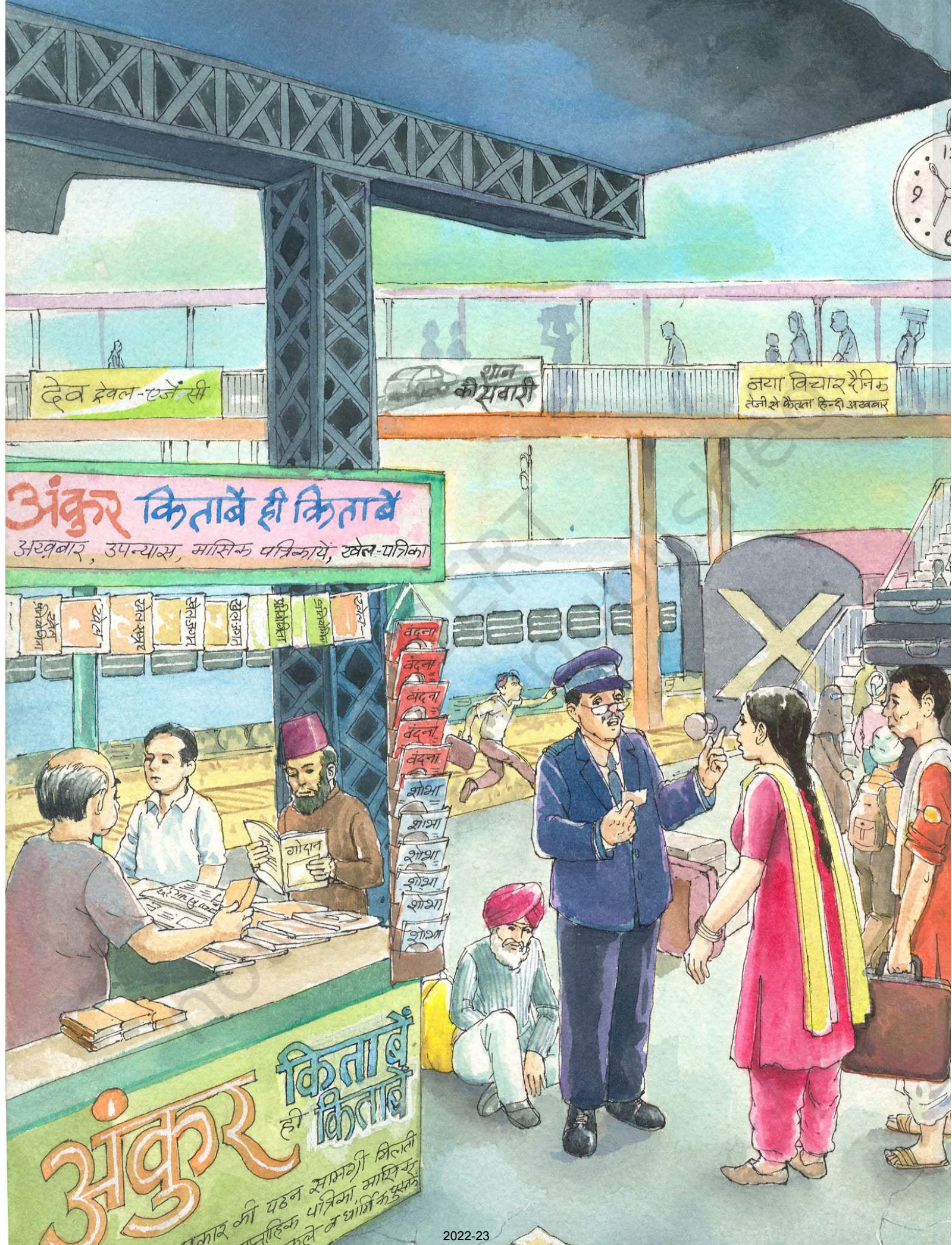
.....

हवाई जहाज़

.....







देव देवल-एजेन्सी

शान की सवारी

लया विचार रैनिक  
तेजी से फैलता हिन्दी अखबार

**अंकुर किताबें ही किताबें**  
अखबार, उपन्यास, मासिक पत्रिकायें, खेल-पत्रिका

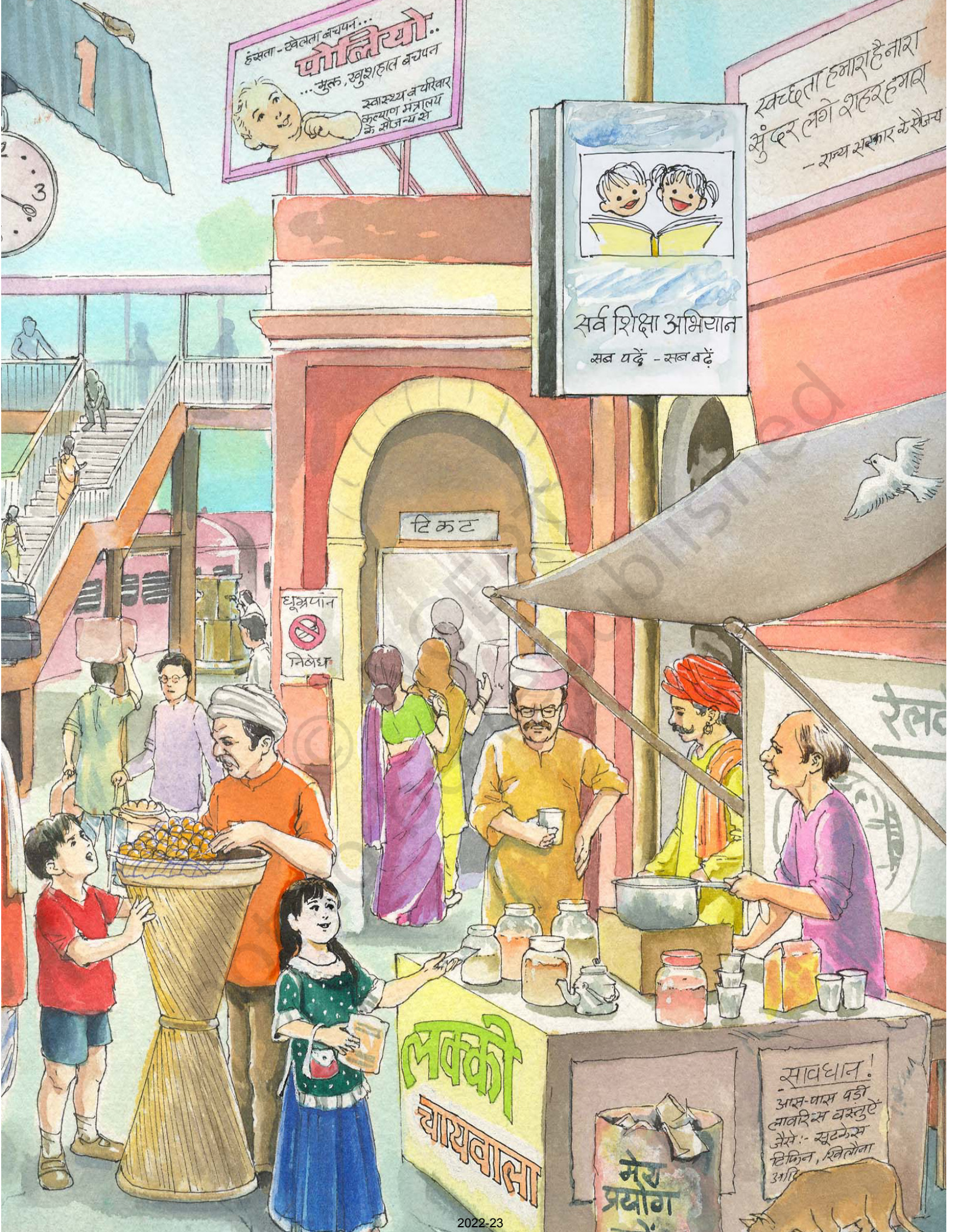
उपेक्षा  
उपेक्षा  
उपेक्षा  
उपेक्षा  
उपेक्षा  
उपेक्षा  
उपेक्षा  
उपेक्षा  
उपेक्षा  
उपेक्षा

वन्दना  
वन्दना  
वन्दना  
वन्दना  
शोभा  
शोभा  
शोभा  
शोभा  
शोभा  
शोभा

गोदान

**अंकुर किताबें ही किताबें**  
अंकुर की पठन सामग्री मिलती  
पत्रिका पत्रिका मासिक  
कले व धार्मिक पुस्तकें





हंस्ता - खेवता बचपन...  
**पोलियो..**  
...मुक्त, खुशहाल बचपन  
स्वास्थ्य बचपन  
कल्याण मंत्रालय  
के संजन्य से

सर्व शिक्षा अभियान  
सब पढ़ें - सब बढ़ें

स्वच्छता हमारा है नारा  
सुंदर लगे शहर हमारा  
- राज्य सरकार के संज्ञक

धूम्रपान  
निषेध

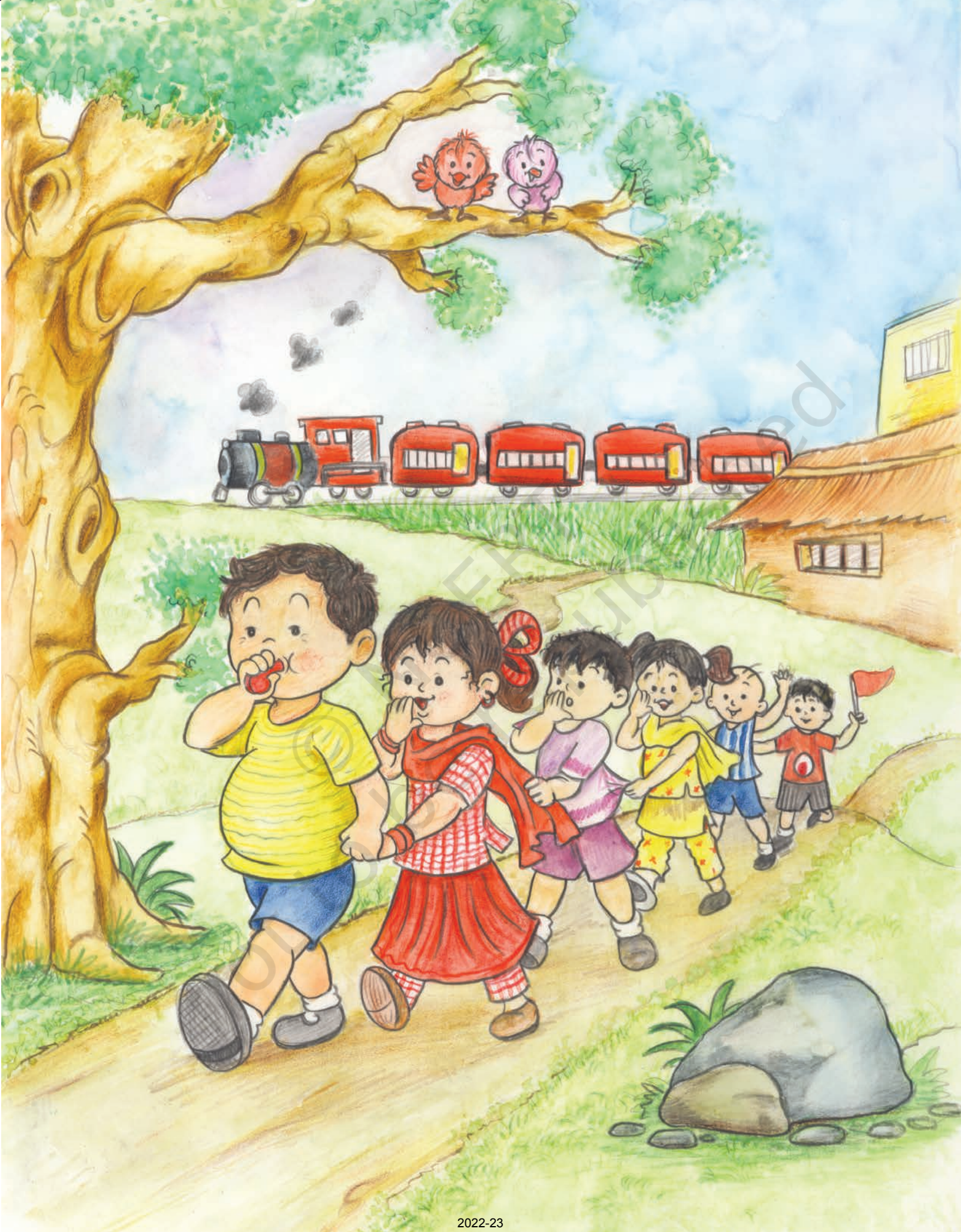
टिकट

लक्की  
चायवाला

सावधान!  
आस-पास पड़ी  
लावरेस वस्तुएं  
जैसे:- सूटेकस  
चिप्स, शिन्डोना  
आदि

मेरा  
प्रयोग









इ

र

## रेल का खेल

बच्चों ने मिलकर एक कविता बनाई, पढ़ो।

छुक-छुक-छुक चल दी रेल,  
शुरू हुआ अब अपना खेल।  
नदिया जंगल पीछे छूटे,  
आ गया अपना गाँव सुमेल।  
इसकी रेल न उसकी रेल,  
ये तो है हम सबकी रेल।



## बूझो तो जानें

1. बच्चे कौन-सा खेल खेल रहे हैं?
2. इस खेल में कितने बच्चे डिब्बा बने हैं?
3. कौन-सा बच्चा गार्ड बना है? तुमने यह कैसे जाना?
4. कौन-सा बच्चा इंजन बना है? तुमने यह कैसे जाना?

## खेल ही खेल

बच्चे मिलकर रेल का खेल खेल रहे हैं। तुम अपने दोस्तों के साथ मिलकर कौन-कौन से खेल खेलते हो? किन्हीं तीन खेलों के नाम लिखो।

.....

.....

.....





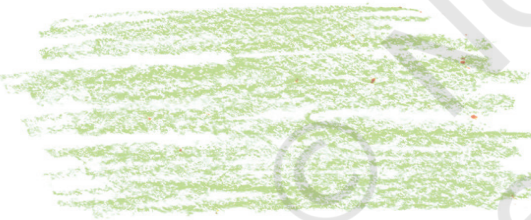
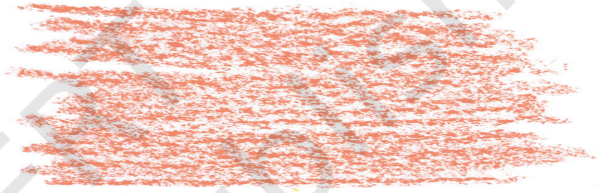
## इतने सारे रंग

पिछले पन्नों में इन रंगों को ढूँढ़ो। इन रंगों वाली चीज़ों के चित्र बनाओ।

इतने सारे बिखारे रंग !  
तुम्हें चाहिए कौन-सा रंग ?



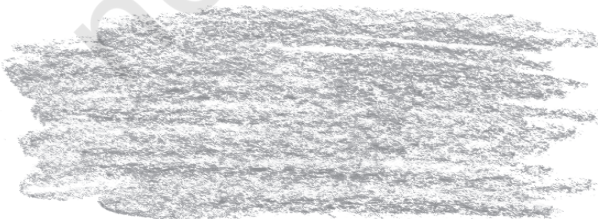
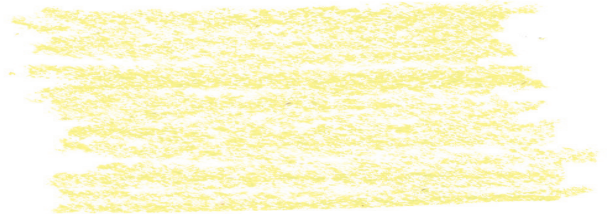
मुझे चाहिए  
लाल रंग



मुझे चाहिए  
हरा रंग



मुझे चाहिए  
पीला रंग

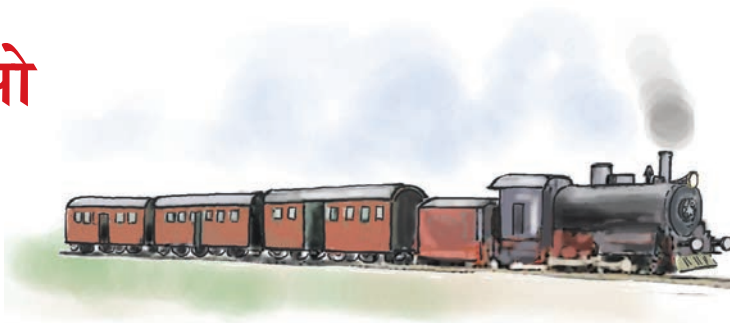


मुझे चाहिए  
काला रंग





नाम बताओ



पूरा करो

छुक छुक छुक .....

..... अपना खेल।

..... उसकी रेल

ये तो है हम .....

हर डिब्बे पर उसके रंग वाली किसी चीज़ का नाम लिखो।



अब तक पिछले पन्नों में जितनी भी चीज़ों के नाम आए हैं उनकी सूची बच्चों की मदद से श्यामपट्ट पर लिखें। उन चीज़ों में से किसी एक चीज़ को रंग के अनुसार अलग-अलग रंग के डिब्बों में लिखने को कहें।